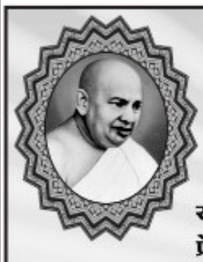

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 25 * अंक : 14 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 अक्टूबर 2019 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में उपधान तप एवं शाश्वत ओली आराधना

उदयपुर, (स. सं),

परम पूज्य राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट युगप्रभावक आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति, धर्मदिवाकर श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ राजेन्द्र-यतीन्द्र-जयन्तसेन वाटिका, पिपलौदा (म. प्र.) की धर्मधरा पर भव्य चातुर्मासिक आयोजनों के अन्तर्गत उपधान तपाराधना एवं शाश्वत ओलीजी आराधना में आराधकों द्वारा प्रतिदिन धार्मिक क्रियाएँ चल रही है साथ ही आराधक एवं दूरदराज के ग्रामीणजन प्रवचन का श्रवण तथा दर्शन का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

प्रवचन के अन्तर्गत मुनिराजश्री डॉ. सिद्धरत्नविजयजी म. सा. ने चल रही शाश्वत नवपद ओलीजी आराधना के बारे में समझाते हुए कहा कि प्रभु महावीर की देशनानुसार नवपद ओली आराधना आत्मकल्याण का सर्वोत्तम साधन है। यह एक ऐसा तप है जो आध्यात्मिक और शारीरिक लाभ प्रदाता है, इस तप को श्रेष्ठ तपों में गिना जाता है। आयम्बिल करने से कर्मों की निर्जरा होती है साथ ही रसनेन्द्रिय पर विजय प्राप्त कर लेता है।

मुनिराजश्री तारकरत्नविजयजी म. सा. द्वारा आत्म-भावना प्रार्थना करवाई। मुनिराजश्री विद्वद्रत्नविजयजी म. सा., श्री प्रशमसेनविजयजी म. सा. एवं साध्वीश्री भाग्यकलाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा उपस्थित थे।

चौवीस जिन वन्दना विमोचन करते

गच्छाधिपतिश्री के दर्शन-वंदन, आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु अनेक श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है, इसी क्रम में 68 जिनालय के संस्थापक एवं ट्रस्टी श्री बाबूलालजी, उत्तमजी एवं मुकेशजी पधारे। इस प्रसंग पर चौबीस जिन वन्दना पुस्तक का विमोचन किया गया।

परिषद् के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पारसजी जैन (विधायक)श्री राजेन्द्रसूरि शोध संस्थान, उज्जैन के अध्यक्ष एवं ट्रस्टीगण के साथ पिपलौदा पहुँचे तथा परम पूज्य गच्छाधिपति श्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. के दर्शन-वन्दन कर उज्जैन में स्कूल प्रारम्भ करने हेतु चर्चा करते हुए बिल्डिंग का नक्शा दिखाकर संस्थान सम्बन्धित जानकारियों से अवगत कराया। गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में जोधपुर नगर में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिराजश्री विनीतरत्नविजयजी म. सा. के देवलोक हो जाने पर त्रिस्तुतिक श्रीसंघ द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। गच्छाधिपतिश्री ने कहा कि मुनिराजश्री विनीतरत्नविजयजी महाराज त्रिस्तुतिक श्रीसंघ के रत्न थे, आपने दीक्षा के पूर्व भी शासन की सेवा के रूप में लम्बे समय तक सियाणा जैन पेढ़ी का सफल संचालन किया और संयम जीवन ग्रहण करने के पश्चात् तप-त्याग एवं निरन्तर प्रतिपल नवकार का जाप करके अपने जीवन को धन्य किया है, उनके देवलोकगमन से साधु समुदाय को बहुत बड़ी कमी हुई है। बाद में सभी ने 13-13 नवकार गिन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

चर्चा करते गच्छाधिपतिश्री

(शेष पृष्ठ 2 पर)

आचार्यदेवेशश्री की शुभनिश्रा में विधायकश्री ने किया ग्रन्थ लोकार्पण

धानेरा, (स. सं),

प. पू. चर्चाचक्रवर्ती आचार्यदेव श्रीमद्विजय धनचन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. की पाटगादी स्थली धर्म नगरी धानेरा में प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं कृपासिन्धु, योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के सुशिष्यरत्न भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्राराधक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा में चातुर्मासान्तर्गत विविध धार्मिक आयोजन चल रहे हैं।

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि धानेरा नगर में प्रतिदिन श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन आचार्यदेवेशश्री के दर्शन-वन्दन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु हो रहा है। आचार्यदेवेशश्री द्वारा प्रदत्त जिनवाणी का श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं।

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ एवं श्री राजेन्द्रसूरीश्वर गुरुमन्दिर, धानेरा द्वारा आयोजित चातुर्मास में दर्शन-वन्दन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने दिनांक 5 अक्टूबर 2019 को मध्यप्रदेश के पूर्व मन्त्री एवं वर्तमान में उज्जैन के विधायक श्री पारसजी जैन त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ के साथ पधारे। प. पू. आचार्यदेवेशश्री को वन्दन सुखशाता पूछकर साँवत्सरिक क्षमापना करते हुए प्रवचन का लाभ लिया।

ग्रन्थ का लोकार्पण करते श्री पारस जैन विधायक

प्रवचन सभा में श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय पट्ट परम्परा के साहित्य विशारद् आचार्यदेव श्रीमद्विजय भूपेन्द्रसूरीश्वर जी म. सा. का जीवन चरित्र ग्रन्थ 'श्री भूपेन्द्रसूरीश जीवन चरित' का लोकार्पण श्री पारसजी जैन पूर्वमन्त्री मध्यप्रदेश एवं वर्तमान विधायक ने किया। इस ग्रन्थ का प्रकाशन यतीन्द्र वाणी प्रकाशन, मोटेरा-अहमदाबाद द्वारा किया गया है। इसके मूल लेखक मुनिराजश्री कल्याणविजयजी म. सा. हैं।

इस अवसर पर श्री पारसजी जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की कृपा एवं आशीर्वाद सदैव बरसता रहे। राजनीति के उच्च शिखर पर पहुँचाने में गुरुकृपा ही बलवान है। त्रिस्तुतिक जैन संघ धानेरा की ओर से माल्यार्पण कर बहुमान किया गया।

श्रीसंघों का आगमन एवं भावभरी विनतियाँ

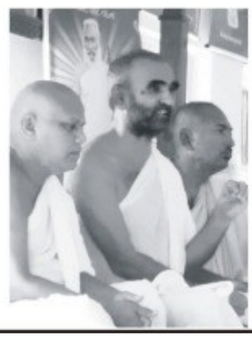

झाबुआ (म. प्र.) से 70 श्रावक-श्राविकाओं का दर्शन-वन्दन तीर्थयात्रा करते हुए धानेरा में आगमन हुआ। आचार्यदेवेशश्री आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द के दर्शन-वन्दन कर साँवत्सरिक क्षमायाचना की। प्रवचन श्रवण के पश्चात् सभी ने आचार्यदेवेशश्री से सामूहिक रूप से आगामी 2020 के चातुर्मास हेतु विनती की। आचार्यश्री ने सभी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि योग बनेगा तो चातुर्मास भी होगा।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

गच्छाधिपतिश्री की निश्रा.... (शेष पृष्ठ 1 का)

गच्छाधिपतिश्रीमुहूर्त्त प्रदान करते

प. पू. धर्मदिवाकर गच्छाधिपतिश्री के दर्शन वन्दन करके इन्दौर से पधारे संघपति श्रीमान् मनोहरलालजी श्रीमती बबितादेवी पुत्र श्री विनयकुमारजी पिपाड़ा परिवार ने भाव भरी विनती की जिस पर गच्छाधिपतिश्री ने श्री वल्लभीपुर से सिद्धाचल तीर्थ छःरी पालित संघ का शुभ मुहूर्त्त माघ शुक्ला 1, शनिवार दिनांक 25-1-2020 का एवं माला का मुहूर्त्त माघ शुक्ला 4, बुधवार दिनांक 29-1-2020 का प्रदान किया।

कटारिया परिवार विनती करते

प. पू. गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द को श्री चन्दाजी अमीचन्दजी कटारिया परिवार साँचोर निवासी ने दर्शन-वन्दन कर साँचोर में नूतन गुरु मन्दिर की प्रतिष्ठा हेतु आत्मीय विनती की। पूज्यश्री ने आशीर्वाद प्रदान किया।

गच्छाधिपतिश्री एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द के दर्शन-वन्दन करने हेतु प्रतिदिन श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है जिसमें समग्र चातुर्मास सूचि पुस्तक के प्रकाशक श्री बाबूलालजी उज्ज्वल, श्रीसंघ मुम्बई, थराद, अहमदाबाद, धार, सारंगी, उज्जैन, सियाणा, मेघनगर, इन्दौर आदि श्रीसंघों के प्रतिनिधियों ने पिपलौदा आकर दर्शन-वन्दन, प्रवचन श्रवण करके आशीर्वाद प्राप्त करते हुए वार्षिक क्षमायाचना की। पिपलौदा श्रीसंघ द्वारा लाभार्थियों व संघपति का बहुमान किया गया।

जोधपुर में मुनिराजश्री का देवलोकगमन

उदयपुर, (स. सं.)

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ के जैनाचार्य पुण्य-सम्राट युगप्रभावक गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के शिष्यरत्न एवं गच्छाधिपतिश्री नित्यसेन-सूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती वयोवृद्ध तपस्वी मुनिराजश्री विनीतरत्नविजयजी म. सा. का दिनांक 3 अक्टूबर 2019 को जोधपुर में देवलोकगमन हो गया।

मुनिराजश्री वर्तमान में मुनिराजश्री वीररत्नविजयजी म. सा. की निश्रा में जोधपुर चातुर्मास में विराजमान थे, आप का जन्म सियाणा (राज.) में हुआ था। आपने गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरिजी म. सा. के शिष्य के रूप में पौष शुक्ला 6, सम्वत् 2048, कदनांक 28-1-2012 को सियाणा में दीक्षा ग्रहण की थी। दीक्षा के पश्चात् आप मुनिराजश्री वीररत्नविजयजी म. सा. की पावन निश्रा में रहकर अपने संयम जीवन का पालन कर रहे थे।

मुनिराजश्री की डोल यात्रा दिनांक 4 अक्टूबर 2019 को दोहर 2.15 बजे ऊजी तारा जैन भवन, अमरनगर, जोधपुर से प्रारम्भ होकर ओसवाल स्वर्गाश्रम, सिवांची गेट, जोधपुर पहुँची, जहाँ विधि विधान के साथ लाभार्थी परिवार द्वारा मुखाग्नि दी गई। श्री सम्भवनाथ-राजेन्द्र जैन श्वेताम्बर मन्दिर के पदाधिकारी एवं विशाल संख्या में गुरुभक्त उपस्थित थे। यतीन्द्र वाणी परिवार मुनिराजश्री को वन्दन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

योगी-वाणी

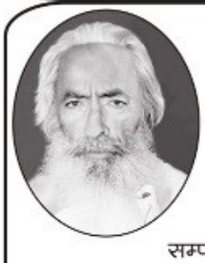

सम्पन्नता मन की ही अच्छी होती है धन की नहीं...

क्योंकि,

धन की सम्पन्नता अहंकार देती है और मन की सम्पन्नता संस्कार देती है।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आचार्यदेवेशश्री की निश्रा.....(शेष पृष्ठ 1 का)

भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवश्री के दर्शनार्थ वाली जैन संघ, वाली (राज.) दर्शनार्थ पहुँचा। प्रवचन श्रवण के पश्चात् संघ प्रतिनिधियों ने

प्रवचन श्रवण करते झाबुआ संघ

प्रवचन श्रवण करते नेनावा, दाधाल संघ

आचार्यदेवेशश्री से आगामी 18 नवम्बर 2019 को वाली (राज.) में आयोजित श्री सम्भवनाथ-राजेन्द्रसूरि प्रतिष्ठोत्सव सम्बन्धी रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। संघ मतैक्य होने से सभी में प्रसन्नता की लहर छा गई।

श्री चन्द्रप्रभु जैन स्नात्र मण्डल, प्रार्थना समाज, मुम्बई के 80 सदस्य एवं श्री त्रिस्तुतिक जैन संघ, डीसा (गुजरात) के सदस्य भी दर्शनार्थ पधारे। धार (म. प्र.) के अग्रणी श्री तातेड़जी भी पधारे।

इस अवसर पर नैनावा, थराद, साँचोर, दाधाल, अहमदाबाद, , उदयपुर, जावरा आदि से पधारे गुरुभक्तों ने आचार्यदेवेशश्री के दर्शन-वन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। धानेरा श्रीसंघ की ओर से सभी का स्वागत किया गया।

आचार्यदेवेशश्री की निश्रा में शाश्वती नवपद ओलीजी

प. पू. भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यश्री की शुभ निश्रा में 125 से भी अधिक आराधकों द्वारा शाश्वत नवपद ओलीजी की आराधना सानन्द चल रही है। प्रतिदिन प्रवचन में श्रीपाल रास का वांचन करते हुए आचार्यश्री द्वारा आराधना की महिमा का वर्णन सुनकर आराधक लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

धानेरा श्रीसंघ की बैठक सम्पन्न

प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, एकता के प्रबल पक्षधर आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की शुभ निश्रा में दोपहर 3 बजे श्री त्रिस्तुतिक जैन संघ, धानेरा की जनरल बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निम्न निर्णय लिए गए।

1. श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर में गुरुदेव श्री यतीन्द्रसूरीश्वरजी एवं पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी की गुरुमूर्त्ति प्रतिष्ठा करवाना।
2. वर्तमान गच्छाधिपति एवं आचार्यश्री पट्टधरद्वय की निश्रा में प्रतिष्ठा करवाना।
3. प्रतिष्ठा की विनती हेतु संघ प्रतिनिधिमण्डल पिपलौदा भेजना।
4. मूर्त्ति भराने का चढ़ावा दिनांक 30-10-2019 को दीपावली पंचाह्निका महोत्सव में बोलना।
5. लाधाणी एवं सवाणी दोनों उपाश्रय में पट्ट परम्परा के फोटो लगाना।
6. चातुर्मास में सेवा एवं सहयोग देने वालों का बहुमान करना।

अन्त में आचार्यदेवेशश्री ने माँगलिक श्रवण करा आशीर्वाद प्रदान किया।

श्री गौतमजी बने महापौर

बेंगलुरु (स. सं.),

बेंगलुरु में जैन समाज के लोकप्रिय नेता श्री गौतमकुमार मकाना का बेंगलुरु के महापौर (मेयर) के चुनाव में विजयश्री का वरण किया।

एक करोड़ 40 लाख की आबादी वाले महानगर बेंगलुरु के महापौर का आज चुनाव हुआ जिसमें भाजपा के पार्षद, मूलतः राजस्थानी जैन समुदाय से आने वाले, युवा राजनेता और लगभग 9 वर्षों से महानगर पालिका में पार्षद के रूप में उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान कर रहे श्री गौतमकुमार मकाना ने विजय प्राप्त करते हुए इस पद को सुशोभित किया।

धाराप्रवाह कन्नड़ बोलने वाले, तेजी से राजनीति में उभर रहे इस निडर, साहसी युवानेता के मेयर पद पर चयनित होने से शहर के समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं में प्रसन्नतता की लहर है परन्तु जैन समाल में विशेष रूप से अत्यन्त हर्षोल्लास का वातावरण है। जैन समाज ही नहीं अपितु समस्त राजस्थानियों के लिए यह गर्व का विषय है। स्थानीय निकाय के चुनाव में मेयर पद प्राप्त करना बहुत बड़ी उपलब्धि है। यतीन्द्र वाणी परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ कि आप इस पद पर रहते हुए जनकल्याण के उत्कृष्ट कार्य करते हुए जिनशासन को गौरवान्वित करें।

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

पाटण में दर्शनार्थ गुरुभक्तों का आगमन

पाटण (स. सं.),

श्री पंचासरा पार्श्वनाथ, पाटण (गुजरात) के पास स्थित श्री त्रिस्तुतिक जैन उपाश्रय में अध्ययनार्थ विराजित पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा., मुनिराजश्री निपुणरत्न-विजयजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द के दर्शनार्थ श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है। मुनिराजश्री के दर्शन-वन्दन करने के लिए त्रिस्तुतिक जैन संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं रतलाम के विधायक श्री चैतन्यजी काश्यप पधारे। काश्यपजी ने मुनि भगवन्तों के दर्शन-वन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त किया एवं मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. और पण्डितवर्य श्री चन्द्रकान्तभाई संघवी से मुनि भगवन्तों के चल रहे अध्ययन की जानकारी ली।

मुनिराजश्री से चर्चा करते श्री काश्यप

इस अवसर पर पाटण नगर के विभिन्न जैन संघों के अग्रणी और नगर पालिका अध्यक्ष श्री महेन्द्र पटेल, भाजपा शहर अध्यक्ष श्री शैलेश पटेल सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। श्री काश्यप ने कहा कि हमारे परिवार के पुण्योदय से पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरीश्वरजी महाराजा के जीवन का अन्तिम चातुर्मास कराने का अवसर हमें मिला। उस चातुर्मास में मुनिराजश्री निपुणरत्न-विजयजी म. सा. का चातुर्मास के प्रवचन एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों को सम्पन्न कराने में विशेष योगदान रहा। त्रिस्तुतिक श्रीसंघ की ओर से श्री काश्यपजी का बहुमान किया गया। मुनिभगवन्तों के दर्शन-वन्दन करने राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, मध्यप्रदेश आदि प्रान्तों के नगरों से क्रमशः गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है। सभी श्रमण-श्रमणिवृन्द अपने अध्ययन में अध्ययनशील हैं।

श्रीसंघ कल्याणकारी अट्ठारह अभिषेक

उदयपुर (स. सं.),

विश्वपूज्य दादागुरुदेव श्री एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्री की दिव्यकृपा एवं पट्टधरद्वय की प्रेरणा तथा शुभाशीर्वाद से अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन तरुण परिषद् के तत्वावधान में दिनांक 7-11-2019 को सम्पूर्ण मालवांचल के श्रीसंघों में भव्य अट्ठारह अभिषेक का आयोजन किया जा रहा है।

अरिहन्त परमात्मा सभी जीवों का कल्याण करने वाले हैं, हम सभी को मोक्षमार्ग के पथिक बनाने वाले हैं ऐसे परमात्मा का अभिषेक मंगल सुखप्रदाता एवं शान्तिकारी है। इस मंगलमयी भावना को मन में संजोकर सभी श्रीसंघों एवं तरुण परिषद् की शाखाओं से विशेष आग्रह है कि आप अपने नगर में यह महामंगलकारी अनुष्ठान अवश्य करें।

विशेष रूप से जिस किसी भी नगर में अभिषेक विधि कराने के लिए आवश्यकता हो तो सूचना करने पर तरुण परिषद् के 2-3 तरुणों को भेजने की व्यवस्था भी रखी है। साथ ही किसी नगर के तरुण को अभिषेक विधि सीखनी हो तो वह निम्नांकित परिषद् सदस्यों से मोबाईल पर सम्पर्क कर सकते हैं।

सम्पर्क- तरुण जय सियाल 9669671048, तरुण जैनम कोरड़िया 9512181019, तरुण सपन लोढ़ा 7987365819

श्री संघवी अध्यात्म कल्पतरु से अलंकृत

थाने-मुम्बई (स. सं.),

जिनवचन प्रेमी, प्रसिद्ध चिन्तक एवं शाश्वत धर्म के पूर्व सम्पादक श्री जे. के. संघवी, आहोर-थाने को ज्ञान मन्दिर संस्थान, मदनगंज-किशनगढ़ द्वारा अनन्त चतुर्दशी के अवसर पर 'अध्यात्म सेवी सम्मान-2019' के अन्तर्गत अध्यात्मिक, धार्मिक, साहित्यिक एवं समाज सेवा के क्षेत्र में निःस्वार्थ भाव से किए गए रचनात्मक कार्यों के लिए 'अध्यात्म कल्पतरु' की उपाधि से अलंकृत किया गया।

श्री संघवीजी के अलंकृत होने पर समाजजनों एवं शुभचिन्तकों ने उन्हें बधाई दी। धर्मानुरागी श्री जे. के. संघवीजी द्वारा की जा रही जिनशासन प्रभावना एवं साहित्य सेवा प्रशंसनीय एवं श्लाघनीय है। यतीन्द्र वाणी शुभकामना प्रेषित करते हुए दीर्घायु की कामना अरिहन्तदेव एवं दादा गुरुदेव से करता है।

सप्रेम भेंट

500/- रुपये श्री अतुलकुमारजी, पोपटलालजी पूनमचन्दजी सवाणी, धानेरा-सूरत की ओर से

श्राद्ध अमावस्या पर गौ सेवा

मैसूर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव के पट्टधरद्वय के शुभाशीर्वाद से अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद् शाखा मैसूर ने दिनांक 29-9-2019 को प्रथम बार महिला परिषद् द्वारा पाँजरापोल गौशाला जाकर गायों के लिए सभी सदस्यों ने अपने-अपने घर पर कुल 350 किलो लापसी बनाई और गुड़, केले, रोटी आदि लेकर पाँजरापोल में जाकर वितरीत की तथा दो हजार रुपये की राशि घास हेतु प्रदान की। परिषद् अध्यक्ष का कहना था कि अतिथियों को तो बहुत खिला चुके पर आज हमारी बहिनों ने बड़े उत्साह से श्राद्ध अमावस्या के दिन अपने हाथों से गौशाला जाकर गौमाता की सेवा करने का पुण्यार्जन किया है। इस अवसर पर सभी सदस्याएँ उपस्थित थी।

मुनिराजश्री से चातुर्मास की विनती

बीजापुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव के पट्टधरद्वय के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा द्वारा बीजापुर (कर्नाटक) में चातुर्मास में विविध धार्मिक अनुष्ठानों के साथ ही धर्मगंगा प्रवहमान है। मुनिराजश्री के दर्शन-वन्दन करने को मदुराई श्रीसंघ का आगमन हुआ। प्रवचन श्रवण के बाद मदुराई श्रीसंघ के प्रतिनिधियों ने मुनिराजश्री आदि ठाणा से मदुराई में आगामी वर्ष 2020 का चातुर्मास करने की भावभरी विनती की। मुनिराजश्री ने पू. आचार्यद्वय की आज्ञा एवं वर्तमानजोग कहते हुए अपने भावी भाव पर बात रखी। प्रसंगोचित विषय पर मुनिराजश्री ने संघ के उत्तम लक्ष्य का पक्ष समझाया एवं जिनशासन की उत्तम प्रभावना के कार्य सम्पादित हो, इस हेतु उचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

गुरुवर्याश्री की पुण्यतिथि पर आयोजन

बेंगलूरु (स. सं.),

प. पू. पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी पू. साध्वीश्री सूर्योदयाश्रीजी म. सा. की गुरुवर्या प. पू. साध्वीश्री दमयन्तीश्रीजी म. सा. की 23 वीं पुण्यतिथि निमित्त अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् बेंगलूरु के तत्वावधान में जरूरतमन्द लोगों को अल्पाहार लड्डू एवं नमकीन का वितरण किया गया। वितरण के समय परिषद् के अध्यक्ष श्री डूँगरमल चौपड़ा, मन्त्री श्री नेमीचन्द संघवी, कोषाध्यक्ष श्री रमेश मयूर, सहमन्त्री श्री दिलीप कांकरिया, श्री चम्पालाल निमानी, श्री प्रकाश ओस्तवाल आदि उपस्थित थे। साध्वीश्री विपुलदर्शिताश्रीजी म. सा. ने माँगलिक श्रवण कराया। गुरुभक्तों का प्रभावना वितरीत की गई।

समाजसेवी श्री यति का देहावसान

उदयपुर (स. सं.),

श्री सोहनराज रतनविजयजी यति (श्री दिनेशचन्द्र हेमराजजी यति, सायला वाले) का हृदयगति रुकने से दिनांक 10-10-2019 को सिणदरी (राज.) में देहावसान हो गया।

श्री सोहनराजजी देव-गुरु-धर्म के प्रति पूर्ण समर्पित सुश्रावक थे। आपने सिणदरी नगर को अपनी कर्मभूमि चुनते हुए मेडिकल व्यवसाय प्रारम्भ किया। आपकी मिलनसारिता, कर्मठ कार्यशैली ने आपको जन-जन में लोकप्रिय बना दिया था और उसी का सुपरिणाम था कि आप भाजपा मण्डल के अध्यक्ष पद पर सुशोभित थे। प. पू. योगिराजश्री शान्तिविजयजी म. सा. के प्रति आपकी अगाध श्रद्धा एवं समर्पण था एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरिजी म. सा. एवं आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. के बालसखा होने से दोनों के प्रति पूर्ण श्रद्धावान् एवं समर्पित रहे। राजनीति में रहते हुए भी आपने बेदाग रहे और अनेक जनकल्याण के कार्यों का निष्पादन करने में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन किया। आप श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार, काया-उदयपुर के ट्रस्टी भी थे और साथ ही अनेक सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं में अपनी निःस्वार्थ सेवाएँ अनेक पदों पर रहते हुए प्रदान कर रहे थे।

श्री सोहनराजजी यति के देहावसान पर श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट)-भाण्डवपुर तीर्थ, श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ)-भाण्डवपुर तीर्थ, श्री शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट-मोटेरा, देलवाड़ा-आबू, श्री राजेन्द्र-शान्ति जैनोदय ट्रस्ट-जीरावलाजी तीर्थ, डोरड़ा, श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय राजेन्द्रसूरि स्मारक जैन संघ-उदयपुर, काया, श्री गौड़ीपार्श्वनाथ-राजेन्द्रसूरि मातुश्री धाम जैन चेरिटेबल ट्रस्ट-आकोली, श्री राजेन्द्रसूरि सेवा संस्थान-उदयपुर, श्री सुमतिनाथ-राजेन्द्रसूरि जैन श्वे. मूर्तिपूजक ट्रस्ट-रामेश्वरम्, तमिलनाडू, श्री राजेन्द्र-जयन्तसेन गुरुकुल संस्थान-बोरिआवी, आणन्द, श्री यतीन्द्र वाणी प्रकाशन, मोटेरा-अहमदाबाद हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए अरिहन्त देव एवं दादा गुरुदेवश्री से अभ्यर्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को सद्गति एवं परिवारजन को इस असीम वेदना को सहन करने हेतु धैर्य एवं सम्बल प्रदान करें।

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

श्री रामेश्वरम् तीर्थ में जिनमन्दिर व गुरु मन्दिरों का भव्य शिलान्यास

रामेश्वरम् तीर्थ (स. सं.),

श्री सुमतिनाथ-राजेन्द्र जैन श्वेताम्बर मूर्त्तिपूजक ट्रस्ट, मयमपुली-रामेश्वरम् के तत्वावधान में श्री सुमतिनाथ भगवान एवं दादा गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरि आदि गुरु मन्दिरों का भव्य शिलान्यास समारोह रामेश्वरम् तीर्थ की धर्मधरा पर जय-जयकार के उद्घोषों के मध्य आयोजित किया गया।

ट्रस्ट के चेयरमेन श्री बगदावरमलजी इन्द्रमलजी हरण ने जानकारी देते हुए बताया कि गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. के आशीर्वाद एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की प्रेरणा व मार्गदर्शन में दक्षिण के अन्तिम छोर पर कार्यक्रम का शुभारम्भ विधिकारक श्री मनोजकुमारजी बाबूलालजी हरण द्वारा स्नात्र महोत्सव से अष्टप्रकारी पूजा करते हुए की गई।

पूजा के पश्चात् श्री सुमतिनाथ भगवान, दादा गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरिजी, श्री जिनकुशलसूरिजी, श्री आर्यरक्षितसूरिजी, श्री शान्तिसूरिजी, श्री विद्याचन्द्रसूरिजी, श्री जयन्तसेनसूरिजी छह गुरु मन्दिरों की निर्माणाधीन मन्दिर स्थल पर जयकारों और विधिविधान से मन्त्रोच्चार के बीच दीप प्रज्वलित कर नन्दाशिला, भद्राशिला, जयाशिला, रिक्ताशिला आदि 9 आधार शिला एवं गुरु मन्दिरों की 5 आधार शिला स्थापित की गई।

मुख्य शिला का लाभ श्री बगदावरमलजी इन्द्रमलजी हरण, नरता-भीनमाल-मदुराई परिवार ने लिया, श्री राजेन्द्रसूरि मन्दिर की मुख्य शिला का लाभ श्रीमती मणीदेवी-बगदावरमलजी हरण, नरता'मदुराई, श्री जिनकुशलसूरि मन्दिर की मुख्य शिला का लाभ दादावाड़ी श्री जिनकुशलसूरिजी, जिनचन्द्रसूरिजी ट्रस्ट, चैन्नई, श्री शान्तिसूरि मन्दिर की मुख्य शिला का लाभ संघवी श्रीमती मोहनीबाई-गेनमलजी लुणिया, फलोदी-ईरोड़, श्री आर्यरक्षितसूरि मन्दिर की मुख्य शिला का लाभ श्री पन्नालालजी मिश्रीमलजी सेठ, भीनमाल-मुम्बई, श्री विद्याचन्द्रसूरि मन्दिर की मुख्य शिला का लाभ श्री बाबूलालजी धनराजजी डोडिया गाँधी, धुम्बड़िया-अहमदाबाद, श्री जयन्तसेनसूरि मन्दिर की मुख्य शिला का लाभ श्री माँगीलालजी हरकाजी, आलासन-तिरुनेलवेली ने लिया। शेष शिलाओं के लाभार्थी परिवारों द्वारा पूजार्चना करने के पश्चात् शिला स्थापित की गई।

श्री हरण ने बताया कि शिलान्यास समारोह के मुख्य अतिथि श्री के. वीरा राघवराव रामानाथपुरम जिला कलेक्टर, श्री ओमप्रकाश मीणा-एस. पी. रामानाथपुरम, श्री रूपेशकुमार मीणा-डी.आई.जी. रामानाथपुरम, तमिलनाडू सरकार अल्पसंख्यक आयोग सदस्य यु. सुधीर लोढ़ा, चैन्नई सहित रामेश्वरम् के विभिन्न विभाग के अधिकारी एवं जैन समाज के अनेक शहरों से पधारे विभिन्न संघ, ट्रस्ट मण्डल के ट्रस्टी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्री बगदावरमलजी हरण ने बताया कि रामेश्वरम् तीर्थ पर जिन मन्दिर एवं दादा गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी का गुरु मन्दिर लगभग 2022 तक पूर्ण बनाने का ट्रस्ट मण्डल ने संकल्प दोहराया है। शिलान्यास के अवसर पर मदुराई, चैन्नई, बेंगलुरु, मुम्बई, निरुनवेलि, नागरकोविल, ईरोड़ सहित अनेक शहरों के जैन समुदाय के लोग परिवार सहित हजारों की संख्या में शिलान्यास के साक्षी बने।

ट्रस्ट मण्डल द्वारा समारोह के मुख्य अतिथियों का शॉल, माला एवं प्रतीक चिह्न प्रदान कर बहुमान किया गया। श्री राजेन्द्र चौपड़ा ने अतिथियों एवं आगन्तुक समाजजनों का आयोजन को सफल बनाने हेतु धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर श्री मीठालालजी संकलेचा, जीतमलजी परमार, सायरमलजी भण्डारी, शान्तिलालजी चौपड़ा, जवेरचन्दजी तलावट, मूलचन्दजी श्रीश्रीमाल, किशोरजी बाफना, शान्तिलालजी लुंकड़, दिनेशजी सालेचा सहित ट्रस्ट मण्डल के सदस्य उपस्थित रहे।

शिलान्यास की चित्रमय झलकियाँ

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने वहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

SCAN ME

✲ रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक ✲
http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur | bhandavpur@gmail.com
+91-7340009222 | www.bhandavpur.com
पेड़ी +91-7340019702-3-4 | BTveer

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डॉगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना-प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है।
चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजे।
✲ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ✲ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th of every month.' Published 1st & 15th of every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित